देहरादून (उत्तराखण्ड)
रविवार 09.11.2025
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज देहरादून में 8 हजार 260 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।
- प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तराखंड को फिल्म और वेडिंग डेस्टिनेशन बनाने पर जोर दिया।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा– उत्तराखंड, वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत के लिए विकसित उत्तराखंड' के मंत्र पर चलते हुए, एक समृद्ध और आत्मनिर्भर प्रदेश बनने की दिशा में निरंतर अग्रसर है।
- और.... उत्तराखंड ने आज अपना 25वां स्थापना दिवस पूरे उत्साह व उमंग के साथ मनाया।

पीएम

उत्तराखण्ड राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 हजार 260 करोड़ रुपये से अधिक की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया, जिसमें 930 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन तथा 7 हजार 210 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। ये परियोजनाएं पेयजल, सिंचाई, तकनीकी शिक्षा, ऊर्जा, शहरी विकास, खेल और कौशल विकास सहित कई मुख्य क्षेत्रों से संबंधित हैं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत श्री मोदी ने 28 हजार से अधिक किसानों के बैंक खातों में सीधे 62 करोड़ से अधिक रूपये की वित्तीय सहायता राशि भी अंतरित की।

समारोह की शुरुआत में प्रधानमंत्री ने अपने चिर–परिचित अंदाज़ में देवभूमि उत्तराखंडवासियों का गढ़वाली में अभिवादन किया।

एफआरआई परिसर में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री ने कहा कि, नौ नवंबर का दिन उत्तराखंड वासियों की लंबी तपस्या का फल है।

प्रधानमंत्री

प्रदेश में संचालित विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य में इस समय दो लाख करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं पर काम चल रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड अगर ठान ले तो अगले कुछ ही वर्षों में खुद को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के तौर पर स्थापित कर सकता है।

उत्तराखंड को फिल्म डेस्टिनेशन बनाने पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य की नई फिल्म नीति से प्रदेश में शूटिंग आसान हो गई है। इसी तरह उत्तराखंड वेडिंग डेस्टिनेश के रूप में विकसित हो रहा है।

श्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तराखंड के स्थानीय उत्पाद वोकल फॉर लोकल मुहिम से जुड़ रहे हैं। राज्य के 15 कृषि उत्पादों को जीआई टैग मिला है। राज्य के पारंपरिक पर्वों– हरेला, फुलदेई, भिंटोली सहित अन्य त्यौहारों से पयर्टकों को जोड़ने पर बल देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वन डिस्ट्रिक–वन फेस्टिवल के जरिए उत्तराखंड को विश्व मानचित्र पर लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि नंदादेवी, जौलजीवी, बागेश्वर उत्तरायणी, देवीधुरा, श्रावणी और बटर फेस्टिवल में राज्य की आत्मा बसती है।

सीएम

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड, वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत के लिए विकसित उत्तराखंड' के मंत्र पर चलते हुए, एक समृद्ध और आत्मनिर्भर प्रदेश बनने की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

श्री धामी ने कहा कि केदारनाथ त्रासदी, सिलक्यारा टनल हादसा, जोशीमठ भूधंसाव या अन्य प्राकृतिक आपदाओं के समय प्रधानमंत्री ने संवेदनशीलता के साथ उत्तराखंड की जनता का साथ दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के इसी स्नेहपूर्ण सहयोग और मार्गदर्शन से

उत्तराखंड कठिनाइयों से उबरकर एक नई शक्ति, नए संकल्प और नई ऊर्जा के साथ आज आगे आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विकास के साथ – साथ राज्य की सांस्कृतिक अस्मिता, पारंपरिक पहचान और डेमोग्राफिक संतुलन को संरक्षित रखने के लिए भी कार्य कर रही है।

इस मौके पर राज्यपाल गुरमीत सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी, राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राज्य स्थापना दिवस

उत्तराखंड ने आज अपना 25वां स्थापना दिवस और रजत जयंती वर्षगांठ पूरे उत्साह व उमंग के साथ मनाया।

इस अवसर पर प्रदेशभर में राजकीय कार्यक्रमों, सार्वजनिक प्रदर्शनियों, सामुदायिक सभाओं और स्कूल–कॉलेजों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में प्रदेश की लोक संस्कृति और वाद्य यंत्रों की झलक देखने को मिली।

इसी क्रम में चंपावत जिला मुख्यालय के गौरल चौड़ मैदान में बहुउद्देश्यीय शिविर और विकास प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग, उरेडा सहित अन्य विभागों ने स्टाल लगाकर लोगों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

उत्तरकाशी जिले में आयोजित समारोह में बच्चों को स्कॉलरशिप के चेक बांटे गए। साथ ही सरकारी योजनाओं को आसान बनाने के लिए आंगनवाड़ी पुस्तक का विमोचन किया गया।

उधर, हरिद्वार जिले में राज्य स्थापना दिवस पर विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित योजनाओं की झांकी निकाली गई।

वार्षिक अधिवेशन

नैनीताल जिले के मुक्तेश्वर स्थित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान में भारतीय पशु प्रतिरक्षा एवं जैव प्रौद्योगिकी सोसाइटी के चार दिवसीय 30वें वार्षिक अधिवेशन का समापन हो गया।

इस अवसर पर एग्री इनोवेट इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और भारत सरकार के पशुपालन आयुक्त प्रवीण मलिक ने कहा कि "वन हेल्थ" केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें खाद्य प्रणाली, कृषि, वन्यजीव और पर्यावरण सभी का समन्वय आवश्यक है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों के सहयोग से डेटा प्रबंधन को सुदृढ़ करना समय की आवश्यकता है।

श्री मलिक ने आईवीआरआई मुक्तेश्वर को "पशु चिकित्सा का मक्का और मदीना" बताते हुए विद्यार्थियों से शोध और नवाचार के क्षेत्र में योगदान देने का आह्वान किया।

रोजगार

चंपावत जिले के टनकपुर स्थित राजकीय महाविद्यालय में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इसका आयोजन उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन और कौशल विकास व सेवायोजन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

जिला सेवायोजन अधिकारी आर.के. पंत ने बताया कि रोजगार मेले में उपस्थित 54 अभ्यर्थियों का विभिन्न कंपनियों में चयन किया गया। इसके अतिरिक्त, 466 अभ्यर्थियों को द्वितीय चरण के साक्षात्कार के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया।